मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 2

MHD-18

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम. ए. हिन्दी)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2020

एम.एच.डी.-18 : दलित साहित्य की अवधारणा और स्वरूप

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

***नोट** : निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।*

---

1. दलित चिन्तन के वैचारिक और दार्शनिक स्वरूप का विश्लेषण कीजिए। 10

2. ज्योतिबा फुले के जीवन संघर्ष की सम्यक विवेचना कीजिए। 10

3. भारतीय जाति व्यवस्था के स्वरूप को स्पष्ट करते हुए डॉ. अम्बेडकर के तत्सम्बन्धी विचारों का मूल्यांकन कीजिए। 10

4. सत्यशोधक आन्दोलन अपने समय के अन्य आन्दोलनों से किस प्रकार भिन्न है ? सोदाहरण स्पष्ट कीजिए। 10

5. डॉ. अम्बेडकर के आन्दोलन को अछूतानन्द ने किस तरह समर्थन दिया है ? सविस्तार स्पष्ट कीजिए। 10

6. निराला के दलित पात्र प्रेमचन्द के दलित पात्रों से किस तरह भिन्न हैं ? सोदाहरण स्पष्ट कीजिए। 10

7. दक्षिण भारत में श्री नारायण गुरु के चिन्तन से निर्मित हुई स्त्री-मुक्ति की चेतना को स्पष्ट कीजिए। 10

8. "दलित आलोचना के सरोकारों में श्रम के सौन्दर्यशास्त्र की प्रतिष्ठा है।" विवेचना कीजिए। 10

9. पेरियार ई. वी. रामास्वामी नायकर के आत्मसम्मान आन्दोलन की क्रांतिकारी भूमिका की विवेचना कीजिए। 10

10. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए : $2 \times 5 = 10$

(क) नागार्जुन की दलित प्रतिबद्धता

(ख) गुलामगिरी

(ग) डॉ. अम्बेडकर का जाति उन्मूलन सिद्धान्त

(घ) ज्योतिबा फुले का नारी संबंधी चिन्तन